

# डीआरएम नीरज अम्बष्ठ ने व्यवसायियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सम्मेलन के माध्यम से की चर्चा

संवाददाता

रांची : मंडल रेल प्रबंधक नीरज अम्बष्ठ ने (वेबिनार) वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सम्मेलन के माध्यम से व्यवसायिक प्रतिष्ठानों के प्रतिनिधियों के साथ विस्तृत चर्चा की। रांची रेल के सूत्रों ने बताया कि कोरोनावायरस के संक्रमण एवं लॉकडाउन के कारण किसी एक स्थान पर बैठकर व्यवसायियों के साथ बैठक करना संभव नहीं हो पा रहा है, अतः थोक एवं खुदरा लदान में वृद्धि हेतु तथा अनलॉडिंग को सुचारू रूप से करने के लिए आज मंडल रेल प्रबंधक ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सम्मेलन के माध्यम से व्यवसायियों के साथ चर्चा की, उनकी समस्याओं को जाना तथा उनके सुझाव भी लिए। लॉकडाउन के



कारण लॉडिंग एवं अनलॉडिंग निश्चित समय पर नहीं हो पा रहे हैं। ऐसी परिस्थिति में व्यवसायियों ने रेलवे प्रशासन से नियमानुसार उनकी सहायता की जाए ऐसी अपेक्षा व्यक्त की है। साथ ही कोरोनावायरस के संक्रमण एवं लॉकडाउन की प्रतिकूल परिस्थिति में भी रेल प्रशासन की ओर से समय-समय पर किए गए सहायता के लिये आभार व्यक्त किया। रेल सूत्रों ने बताया कि रांची रेल मंडल ने अप्रैल 2020 से जून 2020 तक लॉक डाउन की अवधि में कुल 143 रैकी का लदान किया जो प्रतिदिन

लगभग 90 वैगन होता है एवं इस अवधि में कुल 136 रैकी का अनलॉडिंग किया गया है। रेल प्रशासन ने व्यवसायियों को अपेक्षित किया कि उन्हें गुड्स शेड एवं परिसर में और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी जैसे गुड्स शेड के लिए एग्रेस रोड, विद्युत, पीने के पानी, शौचालय, एवं विश्राम कक्ष, की व्यवस्था सम्मिलित है जिससे उन्हें अधिक लदान करने में सुविधा होगी। व्यवसायिक प्रतिष्ठान की ओर से संतोष कुमार मलिक - बीपीसीएल, वीरेंद्र बहादुर जोशी - एचएससी, सुरेश अग्रवाल - पासा इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, रवि भूषण सिंह - हिडालको मुरी, अम्बिषेक कुँवर - हिडालको लोहरदगा, अंकुर जैन -

# आठ जेल अधीक्षकों का तबादला हामिद बने केंद्रीय कारा रांची के जेल अधीक्षक

संवाददाता

रांची : झारखंड सरकार ने राज्य के आठ जेल अधीक्षकों का तबादला कर दिया है। विरसा मुंडा केंद्रीय कारागार होटवार रांची के जेल अधीक्षक के पद पर हामिद अख्तर को पदस्थापित किया गया है। वह जयप्रकाश नारायण केंद्रीय कारागार होटवार रांची के जेल अधीक्षक के पद पर पदस्थापित थे। वहीं, विरसा मुंडा केंद्रीय कारागार रांची के जेल अधीक्षक के पद पर पदस्थापित अशोक कुमार चौधरी को केंद्रीय कारागार गिरिडीह का जेल अधीक्षक

बनाया गया है। केंद्रीय कारा देवघर के जेल अधीक्षक के पद पर पदस्थापित कुमार चंद्रशेखर को जयप्रकाश नारायण केंद्रीय कारागार होटवार रांची के जेल अधीक्षक बनाया गया है। चंद्रशेखर अपने कार्य के साथ ओपन जेल हजारीबाग के अतिरिक्त प्रभार में रहेंगे। मंडल कारा धनबाद जेल अधीक्षक के पद पर पदस्थापित अजय कुमार प्रजापति को मंडल कारा चाईबासा का जेल अधीक्षक बनाया गया है। उपकारा घाटशिला जेल अधीक्षक के पद पर पदस्थापित अजय कुमार को मंडल कारा धनबाद का जेल अधीक्षक, उपकारा खुटी के जेल

अधीक्षक के पद पर पदस्थापित सुनील कुमार को मंडल कारा गुमला का जेल अधीक्षक, मंडल कारा चाईबासा के जेल अधीक्षक के पद पर पदस्थापित जितेंद्र कुमार को केंद्रीय कारा देवघर का जेल अधीक्षक बनाया गया है। इसके अलावा जितेंद्र कुमार प्रभार में रहेंगे। मंडल कारा गुमला के जेल अधीक्षक के पद पर पदस्थापित बेसरा निशांत रॉबर्ट को उपकारा खुटी का जेल अधीक्षक बनाया गया है। इस संबंध में बुधवार को गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है।

# एनटीपीसी एवं त्रिवेणी कंपनी द्वारा बड़कागांव विस क्षेत्र में विस्थापन की समस्या विस्थापन के मामले को लेकर उच्चस्तरीय समिति का गठन

रांची (संवाददाता) : झारखंड कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और मंत्री रामेश्वर उरांव एवं बड़कागांव की विधायक अम्बा प्रसाद के प्रयास से एनटीपीसी एवं त्रिवेणी कंपनी द्वारा बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र में विस्थापितों की समस्याओं के समाधान को लेकर प्रमंडलीय आयुक्त की अध्यक्षता में बुधवार को एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया गया है। कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता रामेश गुप्ता ने कहा कि मुख्य सचिव के निर्देश पर गठित उच्चस्तरीय समिति में पार्टी विधायक अम्बा प्रसाद, जिले के उपायुक्त और एनटीपीसी के अधिकारी को शामिल किया गया है।

उन्होंने कहा कि यह उच्चस्तरीय समिति 20 अगस्त तक अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपेगी। उन्होंने बताया कि 21 जुलाई को मुख्य सचिव के निर्देश पर सचिव केके सोन की अध्यक्षता में त्रिपक्षीय वार्ता हुई थी। जिसमें बड़कागांव में रैयतों की समस्या, रोजगार, वन पट्टा दिये जाने, विस्थापन का मुआवजा दिये जाने को लेकर एक उच्चस्तरीय समिति गठित की गई जो पूरे मामले की समीक्षा करते हुए न्याय पूर्वक फैसले लेंगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रामेश्वर उरांव ने कहा कि 2013 में भूमि अधिग्रहण कानून लाया गया, जो किसानों, भूमिहीनों, आदिवासियों और

दलितों के हित में यह विधेयक आजीविका गंवाये वालों के पुनर्वास और पुनर्व्यवस्थापन का जब तक व्यवस्था नहीं की जाएगी, उन्हें विस्थापित नहीं किया जाएगा। भूमि के बदले आवास और रोजगार के प्रावधान रखे गये हैं। यह कानून विस्थापितों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करती है। यह एक ऐसा विधेयक है जिसमें भू-स्वामी को शोषण से बचाने का पूरा प्रयास किया गया है और उसके अधिकारों को पूरी तरह से सुरक्षित रखा गया है। इसके बावजूद लगातार बड़कागांव के लोग विस्थापन और शोसन का दंश झेल रहे हैं। विधायक अम्बा प्रसाद ने कहा कि

एनटीपीसी ने पांच वर्षों में सिर्फ क्षेत्र में प्रदूषण फैलाने का काम किया है। 8000 लोग विस्थापित हुए, लेकिन पांच प्रतिशत को ही रोजगार मिल पाया। अधिकांश लोगों को न तो नौकरी मिली और ही मुआवजा मिला। इसके खिलाफ कांग्रेस लगातार आंदोलनरत है। पार्टी विधायक अम्बा प्रसाद की मां और पिता दोनों को अंशदान के क्रम में जेल जाना पड़ा। राजेश गुप्ता ने कहा कि स्थानीय लोगों ने फैसला लिया है कि जब तक लोगों को समुचित मुआवजा नहीं मिल जाता है, एक इंच भी विस्थापितों की जमीन एनटीपीसी या त्रिवेणी नहीं लेने दी जाएगी।

# राज्य संग्रहालय एवं ईशान प्रमोट आर्ट कल्चर एण्ड इम्पूव सोसाइटी का वेब सेमीनार मथुरा में कलात्मक गतिविधियां प्राक् मौर्य काल से ही प्रारंभ हो गई थी : डॉ. अलख प्रसाद श्रीवास्तव

संवाददाता

रांची : रांची राज्य संग्रहालय एवं ईशान प्रमोट आर्ट कल्चर एण्ड इम्पूव सोसाइटी के तत्वावधान में भारतीय कला को मथुरा कला केन्द्र को देन विषय (21 व 22 जुलाई) पर दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय वेब सेमीनार का शुभारम्भ किया गया। सेमीनार की अध्यक्षता डॉ. किशोर गायकवाड़, प्रो. एवं अध्यक्ष डॉ. अम्बेडकर चेरर इन पावरमेंट ने की। डॉ. संदेश बाबू, मुंबई विश्वविद्यालय, मुख्य अतिथि थे। डॉ. उमेश चन्द्र द्विवेदी, पूर्व निदेशक संग्रहालय बिहार ने मुख्य आलेख प्रस्तुत किया। अन्तर्राष्ट्रीय वेब सेमीनार का विषय प्रवेश करते हुए डॉ. अलख प्रसाद श्रीवास्तव, रांची विश्व विश्वविद्यालय ने बताया कि



मथुरा में कलात्मक गतिविधियां प्राक्मौर्य काल से ही प्रारंभ हो गई थी। कृष्ण काल में इसकी ख्याति सम्पूर्ण देश में फैल गई। वहीं पर बुद्ध को सर्वप्रथम मानवीय रूप में अंकित किया। जो भारतीय कला को मथुरा का अनुपम उपहार है। इसके अतिरिक्त बोधिसत्व एवं सप्रमानुषी बुद्धों की मूर्तियां भी वहां बनीं। 24 जैन तीर्थंकरों की मूर्तियां भी वहां बनीं तथा वैदिक अवस्था में तीर्थंकरों की प्रतिमा बनाने की परम्परा मथुरा से ही

प्रारंभ हुई। ब्राह्मण सभ्यता से सम्बन्धित विष्णु, शिव, संकरणा, कृष्ण, कार्तिकेय, दुर्गा, लक्ष्मी, कुबेर, हारिती, नाग-नागिन की प्रतिमाएं यहां प्रचुरता से बनाई गईं। इसके अतिरिक्त लोक जीवन एवं प्रागैतिक दृश्यों का भी अंकन किया गया। मथुरा कला केन्द्र ने भारतीय कला को समृद्ध करने में अमूल्य योगदान किया। इस सेमीनार में डा. शान्ति स्वरूप सिन्हा, प्रो. अनिल कुमार जोशी, डा. मो. सईद आलम ने भी अपने आलेख

प्रस्तुत किये। सेमीनार का संचालन डा. मारुती माश्रम ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अलख प्रसाद श्रीवास्तव ने किया। सरोजिनी में डॉ. मो. शरफुद्दीन, संग्रहालयाध्यक्ष, राज्य संग्रहालय, रांची, आयोजक सचिव श्री पिपुय कान्त शर्मा, सह आयोजक सचिव आशीष कुमार सिंह व केशव चन्द्र श्रीवास्तव, सह संयोजक अनामिका सिंह, आलोक सिंह, नीलू कुमारी, गोकुल प्रसाद आदि उपस्थित रहे।

# सार-संक्षेप

## जमशेदपुर के अधिवक्ता की हत्या की निदा

रांची : जमशेदपुर के अधिवक्ता प्रकाश यादव की निरम हत्या की झारखंड एडवोकेट वेलफेयर सोसाइटी, रांची ने कड़े शब्दों में निंदा की है। सोसाइटी के सचिव भरत महतो ने कहा कि इस घटना की जितनी भी निंदा की जाय कम है। श्री महतो ने कहा कि दुख की इस घड़ी में सोसाइटी मुक्त के परिजनों के साथ है। उन्होंने सरकार से मांग की है कि अविर्लभ मुक्त के परिजनों की 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता करे साथ ही हत्या की उच्चस्तरीय जांच कर हत्यारों को अविर्लभ गिरफ्तार करने की मांग की है। हत्या की निंदा करने वालों में सोसाइटी के अध्यक्ष पीडी सिंह, उपाध्यक्ष डा प्रकाश झा, सह सचिव अहमद अहमद खान, कोषाध्यक्ष राजीव रंजन ठाकुर, राजेश कुमार, रेखा वर्मा, मृत्युंजय प्रसाद, रौशन पासवान, विजय कांहीरी, जितेंद्र प्रसाद, सत्यप्रकाश आदि शामिल हैं।

दीपक प्रकाश ने की सीपी सिंह के शीघ्र स्वस्थ होने की मंगल कामना रांची : भाजपा के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद दीपक प्रकाश ने पार्टी के वरिष्ठ नेता पूर्व मंत्री, विधायक सीपी सिंह के कोरोना संक्रमण से शीघ्र स्वस्थ होने की शुभकामना की है। प्रकाश ने बुधवार को कहा कि यह महामारी प्रदेश में विकराल रूप लेते जा रहा है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से बचाव के आवश्यक निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन करने खुद बचने और परिवार को बचाने का आह्वान किया। प्रदेश संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह सहित प्रदेश भाजपा के पदाधिकारी यों ने सीपी सिंह के स्वस्थ जीवन की मंगलकामना की है।

**कार्यालय नगर निगम, गिरिडीह**  
**जे.पी. चौक, गिरिडीह**  
 Email : (giridihmunicipalcorporation@gmail.com)  
**अल्पकालीन कोटेशन आमंत्रण सूचना (द्वितीय)**  
 खडोली चाटर ट्रीटमेंट प्लांट के सुचारू रूप से संचालन हेतु 200 KVA का एक अदद ट्रांसफार्मर (अधिष्ठापन एवं केबलिंग सहित) की आवश्यकता है। इच्छुक व्यक्ति/फर्म/कम्पनी दिनांक 27.07.2020 को अपराह्न 2.00 बजे तक अपना कोटेशन मुहरबंद लिफाफे में अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में समर्पित कर सकते हैं। प्राप्त कोटेशन उसी दिन अपराह्न 3.00 बजे प्रोक्वोरमेंट कमिटी के समक्ष खोला जाएगा।  
 नियम एवं शर्तें नगर निगम के सूचना पट्ट अथवा विभागीय वेबसाइट [www.udhd.jharkhand.gov.in](http://www.udhd.jharkhand.gov.in) पर देखी जा सकती है।  
 ह./- नगर आयुक्त  
 नगर निगम, गिरिडीह  
 ज्ञापांक1250 गिरिडीह/दिनांक 22.07.2020

**सिक्किम विश्वविद्यालय**  
 SU/REG/Acad/F-1/13/2019/V01-III/290 दिनांक 08/07/2020  
**प्रवेश सूचना**  
**सिक्किम विश्वविद्यालय शैक्षणिक वर्ष 2020-21 के लिए निम्नलिखित विभागों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश की घोषणा करता है :**

1. मानवशास्त्र (एमए/ एम.एससी.)	12. भूविज्ञान एमएससी और पर्यावरण विज्ञान में एमएससी)	23. सूक्ष्म जीव विज्ञान (एम.एससी.)
2. भूटिया (एम ए)	13. इतिहास (एमए)	24. संगीत (एमपीए)
3. वनस्पति विज्ञान (एमएससी)	14. इतिहास (एमए)	25. नेपाली (एमए)
4. रसायनिकी (एमएससी)	15. उद्यानिकी (एम.एससी)	26. शांति एवं द्वंद अध्ययन एवं प्रबंधन (एमए)
5. चीनी (एमए)	16. अंतरराष्ट्रीय संबंध (एमए)	27. भौतिकी (एम.एससी)
6. वाणिज्य (एम. कॉम)	17. विधि (एएलएलएम)	28. राजनीति विज्ञान (एमए)
7. कंप्यूटर अनुप्रयोग (एमसीए)	18. लेपचा (एम ए)	29. मनोविज्ञान (एमए/एम.एससी.)
8. अर्थशास्त्र (एम ए)	19. लिम्बू (एमए)	30. समाजशास्त्र (एमए)
9. शिक्षा (एमए एमएड)	20. प्रबंधन (एमबीए)	31. पर्यटन (एमटीटीएम)
10. अंग्रेजी (एम ए)	21. जनसंचार (एमए)	32. प्राणिविज्ञान (एमएससी)
11. भूगोल (एमए/एम.एससी.)	22. गणित (एम.एस.सी.)	

स्नातक, एम. फिल और पीएचडी पाठ्यक्रमों के लिए विज्ञापन सूचना अलग से सूचित की जाएगी। पाठ्यक्रमों का विवरण एवं पालन की जानेवाली अन्य प्रक्रियाओं का विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट [www.cus.ac.in](http://www.cus.ac.in) में उपलब्ध है। अनलाइन आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 31.07.2020 (मध्य रात्रि तक) है।  
 डीएचपी नं.-21318/11/0002/2021 ह./- कुलसचिव

**JHARKHAND ROAD PROJECTS IMPLEMENTATION COMPANY LIMITED**  
 Registered Office: 443/A, Road No 5, Ashok Nagar, Ranchi-834002. Website: www.jhrcil.com/Investor Relations/JRPICL-SPV.aspx; CIN: U45200JH2009PLC013693  
**Statement of Unaudited Financial Results for the half year ended September 30, 2019**  
 (₹ in Lakhs)

Particulars	Half Year Ended		Year Ended
	September 30, 2019	September 30, 2018	March 31, 2019
1 Total Income from Operations	15,726	12,552	29,140
2 Net Profit / (Loss) for the year (before tax, Exceptional and/or Extraordinary items)	2,721	(55,409)	(51,347)
3 Net Profit / (Loss) for the year before tax (after Exceptional and/or Extraordinary items)	2,721	(55,409)	(51,347)
4 Net Profit / (Loss) for the year after tax (after Exceptional and/or Extraordinary items)	2,721	(55,409)	(51,347)
5 Total Comprehensive Income for the period / year (Comprising Profit / (Loss) for the period/ year (after tax) and Other Comprehensive Income (after tax))	2,721	(55,409)	(51,347)
6 Paid-up equity share capital (face value - ₹ 10 per share)	25,950	25,950	25,950
7 Reserves (excluding revaluation Reserve)	(44,678)	(51,461)	(47,399)
8 Net worth	(18,728)	(25,512)	(21,449)
9 Paid-up Debt Capital / Outstanding Debt	2,20,510	2,29,615	2,31,802
10 Outstanding Redeemable Preference Shares (Refer note 18)	-	-	-
11 Debt Equity Ratio (number of times)	(11.77)	(9.00)	(10.81)
12 Earnings per share (of ₹ 10/- each) (for continuing and discontinued operations)			
(a) Basic ("not annualised")	1.05*	(21.35)*	(19.79)
(b) Diluted ("not annualised")	1.05*	(21.35)*	(19.79)
13 Capital Redemption Reserve (Refer note 18)	-	-	-
14 Debenture Redemption Reserve	-	-	-
15 Debt Service Coverage Ratio (DSCR) (number of times)	0.56	0.57	0.80
16 Interest Service Coverage Ratio (ISCR) (number of times)	1.38	0.87	1.11

**Notes**

- The above is an extract of the detailed format of annual financial results filed with Stock Exchanges under Regulation 52 of the SEBI (Listing and other disclosure requirements) Regulations, 2015. The full format of the annual financials results are available on the websites of the National Stock Exchange (NSE) - www.nseindia.com and the Company's - www.jhrcil.com/JRPICL-SPV.aspx
- For the items referred in sub-clauses (a), (b), (d) and (e) of the Regulation 52 (4) of the SEBI (Listing and Other Disclosure Requirements) Regulations, 2015, the pertinent disclosures can be accessed on the (www.nseindia.com) and on the Company's website - www.jhrcil.com/JRPICL-SPV.aspx
- The above results for half year ended September 30, 2019, are in compliance with Indian Accounting Standards ("Ind AS") notified by the Ministry of Corporate Affairs, read with SEBI Circular No. CIR/CFD/FAC/69/2016 dated August 10, 2016.
- All secured borrowings obtained by the Company are covered under a pari-passu first charge in favour of the Debenture Trustee on the project assets and all tangible and intangible assets, including but not limited to rights over the project site, project documents, financial assets such as receivables, cash, investments, insurance proceeds, etc.
- The National Company Law Tribunal ("NCLT"), vide order dated January 1, 2019, had allowed a petition filed by the Union of India, for re-opening of the books of accounts and re-casting the financial statements under the provisions of Section 130 of the Companies Act, 2013 for the financial years from 2012-13 to 2017-18, of Infrastructure Leasing & Financial Services Limited ("IL&FS"), the ultimate holding company of JRPICL and its subsidiaries namely IL&FS Financial Services Limited ("IFIN") and IL&FS Transportation Network Limited ("ITNL"), the holding Company. The said exercise is going on and not yet concluded. The Company has been conducting various business transactions with these entities. Pending completion of the exercise, the Management is not able to determine any impact arising from this exercise on these financial statements of the Company.
- The Ministry of Corporate Affairs (MCA), Government of India, has vide its letter dated October 1, 2018, initiated investigation by Serious Fraud Investigation Office (SFIO) against IL&FS and its group companies under Section 212 (1) of the Companies Act, 2013. As a part of its investigation, SFIO has been seeking information from the Company on an ongoing basis. The investigation is in progress and the Company is fully cooperating with the investigating agencies. The implications if any, arising from the aforesaid developments would be known only after the aforesaid matters are concluded and hence are not determinable at this stage.
- The New Board of IL&FS in January 2019, initiated a forensic examination for the period from April 2013 to September 2018, in relation to the certain Companies of the Group, and has appointed an independent third party for performing the forensic audit and to report the findings. The Company is not in the list of Companies identified by the New Board for forensic audit and hence no such specific audit of the affairs of the Company has been conducted. The independent third party has submitted their interim report in relation to the audit of ITNL (the holding Company) and its project related activities and the observations contained therein related primarily to the operations of ITNL. Given that the report is interim in nature and pending full completion of the examination, specific adjustment if any related to the Company arising from the said forensic audit of ITNL, has not been determined. Hence no adjustments have been recorded in these financial statements for any consequential effects / matters that may arise in this regard.
- Pursuant to the "Third Progress Report - Proposed Resolution Framework for the IL&FS Group" dated 17 December, 2018, and the "Addendum to the Third Progress Report - Proposed Resolution Framework for IL&FS Group" dated January 15, 2019 ("Resolution Framework Report"), submitted by the Company to the Ministry of Corporate Affairs, Government of India, which, in turn, was filed with the Hon'ble National Company Law Appellate Tribunal ("NCLAT"), the creditors of the Company were invited (via advertisement(s) dated May 22, 2019) to submit their claims as at October 15, 2018, with proof, on or before 5 June, 2019 (later extended till June 18, 2020)) to the Claims Management Advisor ("CMA") appointed by the IL&FS Group. The amounts claimed by the financial and operational creditors are assessed for admission by the CMA. The CMA, vide their various communications to the management of the Company, have submitted their report on the status of the claims received and its admission status. The report is subject to updation based on additional information / clarification that may be received from the creditors in due course. Management of the Company has reviewed the claims made by third parties with the CMA, and reconciled them with the books of accounts. Such claims have either been provided for, or shown as contingent liabilities if there is a possible obligation on the company. No action is taken if the possibility/probability of outflow is remote.
- National Company Law Appellate Tribunal ("NCLAT") had passed an order on October 15, 2018 ("Interim Order") in Company Appeal (AT) 346 of 2018, imposing moratorium on the creditors of IL&FS and its 348 group companies, which includes the Company. Further based on a 12-month cash flow solvency test conducted by the resolution consultants appointed by the Board of Directors of IL&FS, the NCLAT vide its orders dated February 11, 2019, classified the Company under the "Amber Category", which meant that the Company was able to meet only financial obligation towards Senior Lenders and operational creditors. In view of this classification and the moratorium order, the Company had stopped servicing financial obligations towards all its financial creditors. During the period, based on the negotiations with the lenders, Company restructured its debt by modifying the repayment schedule and interest rates and entered into agreements with all the lenders for the same. Pursuant to this, NCLAT vide its order dated September 19, 2019 classified the Company under the "Green Category", which means that the Company is able to meet financial obligation towards all lenders and operational creditors. Since then the Company has been servicing all its obligations as per the schedule and there are no overdue payments as on September 30, 2019 to NCD holders.
- As per the draft secretarial audit report of the company, the Company is not in compliance with the Companies Act 2013, as applicable to the Company. These non-compliances pertain to appointment of Directors, filings with Regulators, appointment of Key Management personnel and such other regulations. These do not have an impact on financial reporting and/or compliance with accounting standards. Management is in the process of evaluating the financial and other consequences arising from such non-compliance and of making a comprehensive assessment of other non-compliances, to determine the impact / consequences, including penal consequences and operational impact, of such non-compliances on the Company.
- The Company has profit of ₹ 2721 Lakh during the half year ended September 30, 2019, and has a negative net worth of ₹ 18728 Lakh as at the half year end. During the period, the debt of the Company was restructured to convert the same into "Green" entity and pursuant to same, the Company has been servicing all its obligations on due dates. The divestment program launched by IL&FS Board (New Board) in FY 19 for divestment of entire stake held by the ultimate holding Company i.e. IL&FS and holding Company i.e. ITNL, could not go through as the bids received during the year from the prospective investor were below the average fair market valuation determined by 2 independent valuers appointed by the Board. The New Board after careful evaluation of alternate resolution options, has given its in-principle approval to establish an infrastructure investment trust ("InvIT") under the SEBI InvIT regulations and proposes to transfer the stake held by IL&FS & ITNL along with loans and receivables from the Company to the said InvIT. In furtherance of the same, ITNL has incorporated a wholly owned subsidiary to act as the Sponsor to the proposed InvIT, and made an application for registration of the InvIT to SEBI, which is under consideration. Pursuant to the aforesaid, management believes that use of the going concern assumption for preparation of these financial results is appropriate as the business operations of the Company will continue in foreseeable future.
- As part of the divestment process, during previous year the IL&FS Board appointed two independent valuers to determine the Fair Market Value (FMV) of the assets of the Company as on October 01, 2018. The valuers had used the discounted cash flow methodology and provided the FMV. Shortfall in such FMV as compared to the carrying cost of the assets in the books of the Company as on October 1, 2018, was recognized as impairment in the financial statements of the Company in the previous financial year.
- The Company has acknowledged Contingent Liabilities of ₹ 61,078 Lakh which includes claims by Contractors, who had worked on the 3 projects, of the Company, have raised claims amounting to ₹ 60,956 Lakh against the Company. The Company has raised Counter claims against these Contractors with respect to the said 3 Projects amounting to ₹ 39,418 Lakh. The Company has taken legal opinion on the tenability of claims raised by the Contractors and based upon the legal opinion the Company has not acknowledged the Claims in the books of accounts but has acknowledged such claims as "Contingent Liabilities". The matter of Claims against the Company and Counter Claims by the Company is under arbitration.
- The Company is engaged in the business of setting up of infrastructure facility by way of development of infrastructure projects, operation and maintenance of infrastructural facilities. As such, all activities undertaken by the Company are incidental to the main business. There are no separate reportable business segments as per IND AS 108 on "Operating Segment".
- In view of impairment of Receivable under service concession arrangements carried out during previous year based on third party independent valuation as a part of divestment process, the effective interest rate (EIR) of the project has been re-adjusted for the annuity receivable during the balance concession period considering the Annuity amounts as per SCA. Accordingly, Company has recognized incremental Finance Income at such revised EIR.
- The above audited results were approved by the Audit Committee and taken on record at the Board meeting held on July 21, 2020.
- No complaints were recorded during the period and no complaint is pending as on September 30, 2019.
- The Company doesn't have any outstanding Redeemable Preference Shares, accordingly there is no requirement to record Capital Redemption Reserve.
- The formulas used for calculation of Debt Service Coverage Ratio, Interest Service Coverage Ratio and Debt Equity Ratio are as follows:-  
 (i) Debt Equity Ratio = Debt / (Equity Share Capital + Reserves & Surplus)  
 (ii) Debt Service Coverage Ratio (DSCR) = (Profit before Interest Expenses and Tax + Expected Credit Loss) / (Interest Expenses + Principal Repayment)  
 (iii) Interest Service Coverage Ratio = (Profit before Interest Expenses and Tax + Expected Credit Loss) / Interest expenses
- Net worth as per Listing Regulations means net worth as defined in Sub-section (57) of Section 2 of the Companies Act, 2013.
- Details of Credit Rating:  
 Non-convertible debentures ("NCDs"): CARE C INC, CRISIL C and India Rating IND C as on July 21, 2020  
 The Previous due date for the payment of interest was on July 20, 2020, which has been paid. The next due date for the payment of interest on NCD and repayment of NCDs is on October 20, 2020.
- Figures for the previous period / year have been regrouped, reclassified where necessary, to conform to the classification of the current period / year.

For and on behalf of the Board  
 Director  
**Vijay Kini**  
 DIN:06612768